Imprimis Life PR

Publication : Deshbandhu
Edition : New Delhi
Page No. : 9
Date : 30 MAR 2009

देश में होगा दो एड्स वैक्सीन का चिकित्सकीय परीक्षण

पणजी, 29 मार्च (एजेंसी)। भयंकर रोग एड्स पर काबू पाने के लिए देश में जल्दी ही दो एड्स वैक्सीन का चिकित्सकीय परीक्षण शुरू किया जाएगा। इनका मकसद शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली पर पड़ने वाले प्रभाव का पता लगाना है। इस परीक्षण को प्राइम बूस्ट रैजिम के तहत शुरू किया जाएगा और इसे भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के तत्वावधान में पुणे स्थित राष्ट्रीय शोध संस्थान (एनएआरआई) और चेन्नई के तपेदिक शोध केन्द्र (टीआरसी) में शुरू किए जाने की संभावना है। इस परीक्षण के तहत 18 से 50 वर्ष की आयु के 32 एचआईवी निगेटिव स्वस्थ स्त्री अथवा पुरुषों पर वैक्सीन के असर को जाना जाएगा।

शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली पर पड़ने वाले प्रभाव का पता लगाना इसका मकसद है

इनमें से आधे को पुणे में तथा आधे को टीआरसी में रखा जाएगा और इस परीक्षण को चिकित्सकीय भाषा में फेज वन रैंडमाइज्ड डबल ब्लाइंडेड प्लासिबो कंट्रोलड ट्रायल कहा जाता है। इसी तरह का एक परीक्षण भारत सरकार के आईसीएमआर राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको) और इंटरनेशनल एड्स वैक्सीन इनिसिएटिव (आईएवीआई) के बीच आपसी समझौते के तहत लंदन के इम्पीरियल कालेज में किया जा रहा है।

आई ए वीआई सूत्रों ने आज बताया कि इस तरह के परीक्षण प्राइम बूस्ट मोड में दो अलग -अलग तरह के वैक्सीन को आपस में मिलाकर लगाया जाता है, ताकि शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली उस पर बेहतर प्रतिक्रिया दर्शाए। इसके तहत पहले पूरी तरह जांची गई प्लाजमिड डीएनए वैक्सीन एडवैक्स लगाई जाएगी ताकि प्रतिरक्षा प्रणाली में तेजी आए और इसके बाद मोडिफाइड वैक्सीनिया अंकारा से रिकाम्बीनेंट तरीके से बनाई गई एड्स वैक्सीन टीबीसी एम फोर लगाई जाएगी। इन दोनों वैक्सीनों में एचआईवी विषाणु के आनुवांशिक पदार्थ की केवल सिंथेटिक कापियां हैं जिनमें एड्स संक्रमण नहीं हो सकता है। इन परीक्षणों के लिए जिनेटिक इंजीनियरिंग मंजूरी समिति, भारत के औषधि महानिदेशक, स्वास्थ्य मंत्रालय की स्क्रीनिंग समिति, नैतिक एवं वैज्ञानिक समितियों से आवश्यक अनुमति ली जा चुकी है।

Clinical tests for two AIDS vaccine in India